ANOOPLAL YADAV MAHAVIDYALAYA, TRIVENIGANJ

Report on- Workshop of IPR

Name of the Event	Seminar on Geeta Pravachan
Date of the Event	17.06.2023
Venue of the Event	Conference Hall of the college
Organized By	IQA Cell
No of Participant	68
Resource Persons	Dr. Rajkumar Singh (D.S.W., BNMU Madhepura)
Transcript of M.O.M. in English	**The Bhagwat Geeta Saar** Today on dated 17-06-2023 on the recomendation of IQA Cell a workshop on Bhagwat Geeta Saar (A value-added program) is organised in the conference Hall of Anooplal Yadav Mahavidyalaya Triveniganj (Supaul) under the chairmanship of Dr. Jaideo Prasad Yadav Principal of the college in which Prof. Indra Narayan Yadav (Eco), Smt. Rambha Bharti (District Yoga Pracharak of Patanjali Yog Peeth) and Miss Tamanna Arya addressed the workshop and expressed their views on Geeta Saar. The following teaching/Non-teaching staff and students of the college are present in the workshop. Topic - "The Bhagwat Geeta Saar"

अनूपलाल यादव महाविद्यालय त्रिवेणीगंज

जिला- सुपौल (बिहार) पिन- 852139

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग 2 (f) एवं 12 (B) अधिनियम 1956 द्वारा पंजिकृत इकाई

भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा (बिहार) से स्थाई संबन्धन प्राप्त

कम्युनिटी कॉलेज

[ISO9001:2015CERTIFIED]

प्राचार्य

Mob.- 9939257785, 9431204188 • Tel./Fax: 06477-220940 • Website- www.alycollege.com • E-mail- aly.college79@gmail.com

पत्रांक ..... दिनांक .....

सूचना

सभी शिक्षक–शिक्षकेत्तर कर्मी और छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक– 17/06/ 2023 रोज शनिवार को आई क्यू ए सेल द्वारा महाविद्यालय के सभागार में वैल्यू एडेड (मूल्य वर्धित) प्रोग्राम के तहत गीता ग्रंथ पर प्रवचन का आयोजन किया जाना सुनिश्चित है, जिसमें प्रोफेसर इंद्र नारायण यादव, अर्थशास्त्र विभाग तथा अन्य गीता मर्मज्ञ द्वारा दिन के 11:00 बजे प्रवचन निर्धारित है,जिसमें आप सभी की उपस्थिति अनिवार्य है।

15.06.023

प्रो0 अशोक कुमार
आई क्यू ए सेल समन्वयक
अनूपलाल यादव महाविद्यालय
त्रिवेणीगंज, सुपौल, (बिहार)

बैठक सं० - 25

आज दिनांक 17.06.023 दिन शनिवार को I.Q.A.C Cell द्वारा महाविद्यालय के तत्वाधान में Value added (मूल्य वर्धित) प्रोग्राम के तहत प्रायोजित S/O जयदेव प्र० माधव की अध्यक्षता में गीता ग्रंथ पर प्रवचन का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रो० हरिनाथ यादव (हरियाणा), श्रीमति रितम्भरा भारती और तमन्ना आर्या द्वारा गीता मर्मज्ञ पर प्रवचन किया जा रहा है जिसमें निम्नलिखित प्राध्यापक, शिक्षेतर कर्मी और छात्र/छात्राएं उपस्थित हैं

17.06.023
सचिव
साधोनिकाय
अनुमंडल माधव महाविद्यालय
बेनीपट्टी

17.06.023
I.Q.A.C
अनुमंडल माधव महाविद्यालय
बेनीपट्टी

17.06.023
आयोजक
श्री माधव,
अनुमंडल माधव महाविद्यालय
बेनीपट्टी, मधुबनी

प्रवचन कर्ता

1. प्रो० हरिनाथ यादव (हरियाणा)
2. श्रीमति रितम्भरा भारती — 17.6.023
3. तमन्ना आर्या

प्राध्यापक एवं शिक्षेतर कर्मी वर्ग—

1. Surendra Kumar
2. Prof. Mahesh Kumar
3. रितम्भरा भारती
4. तमन्ना आर्या
5. Dr. Arbind Kumar - Eng.
6. [illegible]
7. Kamla Kant Yadav - (Maithili)
8. Surendra prasad yadav (A.I.H)
9. Surendra Kumar (Office)
10. Rakesh kumar (Lab Assistant)

M.O.M & Attendance of the Event

10 Prof. Vidyanand yadav - SMK.
11 Prof Arun Kumar - ECO
12 Dayanand dewar
13 [illegible]
14 [illegible]
15 Mausi Kumar
16 [illegible]
17 [illegible]
18 [illegible]
19 Babhat Kumar
20 [illegible]
21 Shambhu yadav Geog
22 Gagan Kumar - Computer OP. -
23 [illegible]
24 Ranjan Kumar
25 Satish Kumar.
26 Rakesh Raj
27 Vikram Kumar.
28 Suresh Kumar Sunder.
29 Deepak Kr
30 Soumendu (Dept. of Computer Science, ALY college)
31 Rahul Kumar (Dept. of clerk, ALY college)
32 Abhishek anand (Computer operator)
33 Abdul Rashid
34 Ashok Kumar
35 Dileader Kumar
36 Mithun Kumar
37 Rupesh Kumar
38 Rohit Kumar chand
39 Digdarshan
40 Madan Mohan.
41 Pramod Kumar

Student Present in Event

41 Ranjit Singh
42 Shibam Kumar
43 Ramesh Kumar
44 Ramkishor kumar
45 Rkpesh Kumar.
46 KhUSHBOO kumari
47 सोनी देवी
48 Kajal Kumari
49 Suchita Kumari
50 Minkesh Kumar.
51 Raja. Gupta.
52 Anjun Kumar Reddy
53 ~~Ramnarayan Kumar~~
54
55 मनोज कुमार
56 Surendra Kumar
57 Mahesh Kumar - philosophy
58 ~~B~~ Kumar.
59 Si अरविन्द कुमार philosophy
60 नवीन कुमार यादव - इतिहास
61 Raj Kumar Yadav - Polsc
62 रामानंद सिंह - ''
63 मनोज कुमार - हिंदी
64 राजेन्द्र यादव -
65 राजकिशोर मेघवाल
66 मुनावर मेना - भूगोल
67 ब्रजकिशोर यादव - वनस्पति विज्ञान
68 हीरालाल मीना
69 रामजी यादव
70 रणवीर कुमार रांगा

Student Present in Event

Jiotag Photo of the Event

GPS Map Camera
Triveniganj, Bihar, India
4VFQ+5V4, Triveniganj, Bihar 852139, India
Lat 26.122406°
Long 86.890034°
17/06/23 01:18 PM GMT +05:30
Google

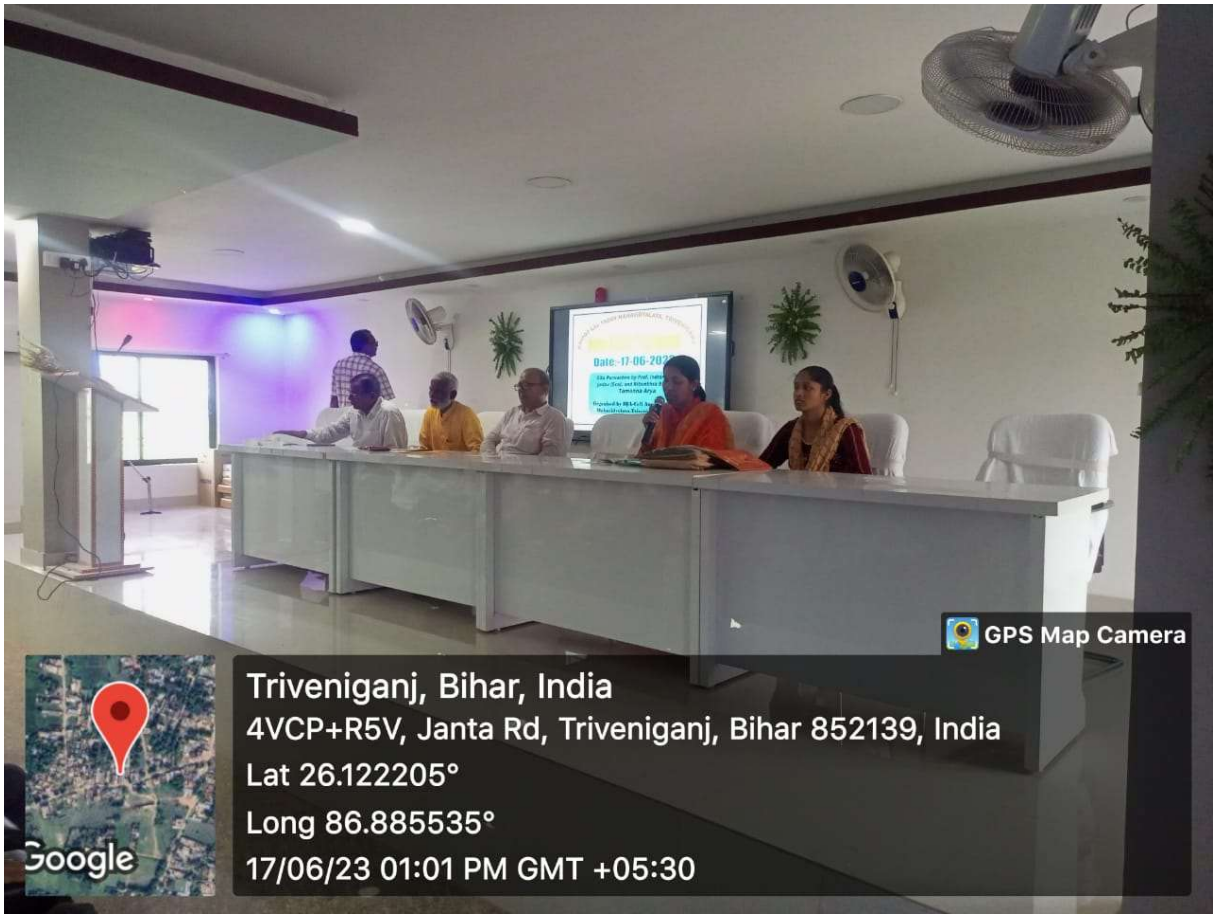
GPS Map Camera
Triveniganj, Bihar, India
4VCP+R5V, Janta Rd, Triveniganj, Bihar 852139, India
Lat 26.122205°
Long 86.885535°
17/06/23 01:01 PM GMT +05:30
Google

Ref. ..... Date .....

भागलपुर, 18 जून 2023 दैनिक जागरण 5

गीता ग्रंथ जीवन जीने का एक अनूठा तरीका प्रदान करता है : रितंभरा

संवाद सूत्र, त्रिवेणीगंज (सुपौल): अनुपलाल यादव महाविद्यालय सभागार में शनिवार को आई क्यू ए सेल समन्वयक प्रो अशोक कुमार द्वारा वैल्यू ऐडेड प्रोग्राम के तहत छात्र-छात्राओं के ज्ञानवर्धन हेतु गीता ग्रंथ तत्व विवेचना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जयदेव प्रसाद यादव ने की।

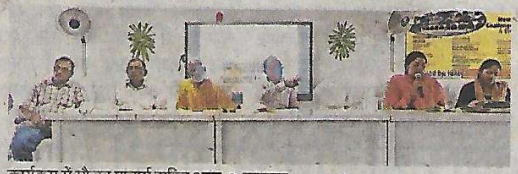

कार्यक्रम में मौजूद प्राचार्य सहित अन्य ● जागरण

गीता ग्रंथ के जानकार रितंभरा भारती ने बताया कि श्रीमद्भागवत गीता हिंदू धर्म का एक पवित्र ग्रंथ है। गीता में 18 अध्याय और 700 श्लोक हैं। जो सभी महत्वपूर्ण हैं। महाभारत युद्ध के दौरान मोहवश अर्जुन, अपने कर्तव्य पथ से विचलित हो रहा था। इसलिए भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन को उपदेश दिए। गीता में आत्मा, परमात्मा, भक्ति, जीवन आदि का विस्तृत रूप में वर्णन किया गया है। गीता में दूसरे के अनुसरण करने के बजाय स्वधर्म को अपनाने पर बल दिया गया है। यह हमें कर्तव्य, कर्म और त्याग के बारे में सिखाता है। इसके तीन प्रमुख विषय हैं: ज्ञान, क्रिया और प्रेम। यह हमें जीवन जीने का एक अनूठा तरीका प्रदान करता है। जिससे तनाव के बिना सुखी जीवन का आनंद प्राप्त होता है। यह धार्मिक ग्रंथ होने के साथ-साथ जीवन का एक उत्तम शास्त्र है। जिसकी उपादेयता घटने के बजाय दिनों दिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने गीता के कई श्लोक की व्याख्या कर कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को एक नवीन सीख दी। पतंजलि गुरुकुल की छात्रा तमन्ना ने कार्यशाला में गीता के श्लोक- "कर्मण्येवाधिकारस्ते" की व्याख्या कर बताया। मनुष्य जीवन में सभी को कुछ न कुछ कार्य करना ही पड़ता है।

जो, किसी कार्य को नहीं करता हुआ भी कुछ कार्य नहीं करने के बारे में सोच रहा है, वह भी कार्य ही कर रहा है। इसलिए, कर्म से कोई भी अलग नहीं हो सकता है, परंतु गीता का निष्काम कर्म छात्र-छात्राओं के लिए बहुत उपयोगी सीख देता है। सभी को फल प्राप्ति की आशा किए बगैर काम करना चाहिए। प्रो इंद्र नारायण यादव ने बताया कि गीता और रामायण दोनों ही ग्रंथों से जीवन जीने का सही तरीका मिलता है। तत्कालीन महाभारत में समाज कल्याण के लिए श्रीकृष्ण ने अपने उपदेश द्वारा अर्जुन को सन्मार्ग में लगाया। व्यवहारिक जीवन में धन प्राप्ति के लिए कभी किसी को कुकृत्य करना पड़े तो, निश्चय ही गीता जैसे ग्रंथ का उपदेश को याद करना चाहिए। खासकर छात्र- छात्राओं को अपने जीवन में गीता ज्ञान को ध्यान में रखकर अध्ययन कार्य करना चाहिए।

प्रो विद्यानंद यादव ने बताया गीता का जितना स्वाध्याय किया जाए उतने ही जीवन को महान बनाने के नए-नए सूत्र मिलते हैं।

18.06.023
Principal
A.L.Y. College Trivenigan
(Supaul)

A.L.Y. MAHAVIDYALAYA TRIVENIGANJ

Distt.- Supaul (Bihar) PIN- 852139

Regd. U.G.C. Under Section 2 (f) & 12 (B) act. 1956

Permanent Affiliated unit of B.N. Mandal University, Madhepura (Bihar)

COMMUNITY COLLEGE

[ISO9001:2015CERTIFIED]

Principal

Mob.- 9939257785, 9431204188 ✸ Tel./Fax: 06477-220940 ✸ Website- www.alycollege.com ✸ E-mail- aly.college79@gmail.com

Ref. ..... Date .....

अपना सुपौल

हिन्दुस्तान | www.livehindustan.com भागलपुर, रविवार, 18 जून 20 04

फल की प्राप्ति किए बगैर करना चाहिए काम

- एएलवाई कॉलेज सभागार में कार्यक्रम का हुआ आयोजन
- श्रीमद् भागवत गीता हिन्दू धर्म का है पवित्र ग्रंथ

त्रिवेणीगंज, निज संवाददाता। एएलवाई कॉलेज सभागार में शनिवार को वेल्यू ऐडेड प्रोग्राम के तहत छात्रों के ज्ञानवर्द्धक के लिए गीता ग्रंथ तत्व विवेचना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता आईक्यूए सेल समन्वयक प्रो. अशोक कुमार और प्राचार्य डॉ. जयदेव प्रसाद यादव ने की।

गीता ग्रंथ के जानकार ऋतंभरा भारती ने बताया कि श्रीमद् भावगत गीता हिन्दू धर्म का एक पवित्र ग्रंथ है। गीता में 18 अध्याय और 700 श्लोक है जो सभी महत्वपूर्ण है। महाभारत युद्ध के दौरान मोहवश अर्जुन अपने कर्तव्य पथ से विचलित हो रहा था। इसलिए भगवान श्री कृष्ण अर्जुन को उपदेश दिए। गीता मेंआत्मा, परमात्मा, भक्ति, जीवन आदि का विस्तृत रूप में वर्णन किया गया है। गीता में दूसरे के अनुशण करने के बजाय स्वधर्म को अपनाने पर बल दिया गया है। यह हमें कर्तव्य, कर्म और त्याग के बारे में सिखाता है। इसके तीन प्रमुख विषय हैं। ज्ञान, क्रिया और प्रेम। यह हमें जीवन जीने का एक अनूठा तरीका प्रदान करता है, जिससे तनाव के बिना सुखी जीवन का आनंद प्राप्त होता है।

यह धार्मिक ग्रंथ होने के साथ-साथ जीवन का एक उत्तम शास्त्र है। इसकी उपादेयता घटने के बजाय दिनों दिन बढ़ती जा रही है। कहा कि मनुष्य जीवन में सभी को कुछ ना कुछ कार्य करना ही पड़ता है। जो किसी कार्य को नहीं करता हुआ भी कुछ कार्य नहीं करने के बारे में सोच रहा है, वह भी कार्य ही कर रहा है। इसलिए कर्म से कोई भी अलग नहीं हो सकता है, लेकिन गीता का निष्काम कर्म छात्रों के लिए बहुत उपयोगी सीख देता है। सभी को फल प्राप्ति की आशा किए बगैर काम करना चाहिए। मौके पर इंद्र नारायण यादव, प्रो. विद्यानंद यादव, कपिलेश्वर यादव, प्रो. सुरेंद्र प्रसाद यादव, प्रो. अरुण कुमार, प्रो. महेश सर्राफ, प्रो. कमलाकांत यादव, डॉ. अरविंद कुमार, सुरेंद्र कुम प्रो. विद्यानंद यादव थे।

एएलवाई कॉलेज सभागार में शनिवार को कार्यक्रम में मौजूद लोग।

18.06.023

Principal
Anoop Lal Yadav Mahavidyalaya
Triveniganj, Supaul (Bihar)

वैल्यू. एडेड प्रोग्राम, गीता ग्रंथ तत्व विवेचना

सुपौल जिला | प्रभात खबर | भागलपुर, रविवार 18.06.2023 | 04

कर्तव्य, कर्म व त्याग की संपूर्ण गाथा का पाठ पढ़ाता है श्रीमद् भागवत गीता

प्रतिनिधि, त्रिवेणीगंज

अनूप लाल यादव महाविद्यालय परिसर में वैल्यू ऐडेड प्रोग्राम के तहत छात्र-छात्राओं के ज्ञानवर्धक के लिए गीता ग्रंथ तत्व विवेचना कार्यक्रम का आयोजन आईक्यूए सेल समन्वयक प्रो अशोक कुमार के एवं प्राचार्य डॉ जयदेव प्रसाद यादव की अध्यक्षता में हुई.

गीता ग्रंथ के जानकार रितंभरा भारती ने कहा की श्रीमद्भागवत गीता हिंदू धर्म का एक पवित्र ग्रंथ है. गीता में 18 अध्याय और 700 श्लोक है, जो सभी महत्वपूर्ण है. महाभारत युद्ध के दौरान मोहवस अर्जुन अपने कर्तव्य पथ से विचलित हो रहा था. इसलिए भगवान श्री कृष्ण अर्जुन को उपदेश दिए. गीता में आत्मा, परमात्मा, भक्ति, जीवन आदि का विस्तृत रूप में वर्णन किया गया है. गीता में दूसरे के अनुसरण करने के बजाय स्वधर्म को अपनाने पर बल दिया गया है. यह हमें कर्तव्य, कर्म और त्याग के बारे में सिखाता है. इसके तीन प्रमुख विषय हैं:- ज्ञान, क्रिया और प्रेम. यह हमें जीवन जीने का एक अनूठा तरीका प्रदान करता है, जिससे तनाव के बिना सुखी जीवन का आनंद प्राप्त होता है. यह धार्मिक ग्रंथ होने के साथ-साथ जीवन का एक उत्तम शास्त्र है. जिसकी उपदेयता घटने के बजाय दिनों दिन बढ़ती जा रही है. उन्होंने गीता के कई श्लोक का व्याख्या कर कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को एक नवीन सिख दिए.

कार्यक्रम में मौजूद अतिथि व छात्र-छात्राएं.

पतंजलि गुरुकुल की छात्रा तमन्ना ने कार्यशाला में स्वकर्मण्येवाधिकारस्तेद की व्याख्या पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी. कहा कि मनुष्य जीवन में सभी को कुछ न कुछ कार्य करना ही पड़ता है. जो, किसी कार्य को नहीं करता हुआ भी कुछ कार्य नहीं करने के बारे में सोच रहा है.. वह भी कार्य ही कर रहा है. इसलिए, कर्म से कोई भी अलग नहीं हो सकता है, परंतु गीता का निष्काम कर्म छात्र- छात्राओं के लिए बहुत उपयोगी सीख देता है. सभी को फल प्राप्ति की आशा किए बगैर काम करना चाहिए. मौके पर प्रो इंद्र नारायण यादव ने कहा कि गीता और रामायण दोनों ही ग्रंथों से जीवन जीने का सही तरीका मिलता है. तत्कालीन महाभारत में समाज कल्याण के लिए श्री कृष्ण ने अपने उपदेश द्वारा अर्जुन को सन्मार्ग में लगाया. व्यावहारिक जीवन में धन प्राप्ति के लिए कभी किसी को कुकृत्य करना पड़े तो, निश्चय ही गीता जैसे ग्रंथ का उपदेश को याद करना चाहिए. खासकर छात्र- छात्राओं को अपने जीवन में गीता ज्ञान को ध्यान में रखकर अध्ययन कार्य करना चाहिए ताकि एक सभ्य और सुसंस्कृत समाज का निर्माण हो सके. इस अवसर पर प्रो विद्यानंद यादव ने कहा की गीता का जितना स्वाध्याय किया जाए उतना ही जीवन को महान बनाने के नए-नए सूत्र मिलते हैं. जितने भी महापुरुष हुए सबों का जीवन गीता से प्रभावित है जैसे- रविंद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, लोकमान्य तिलक, श्री अरविंद आदि. आधुनिक या वैज्ञानिक युग है. तो आधुनिक युग में गीता का क्या महत्व हो सकता है, इस प्रश्न का उत्तर यह है कि गीता का आधार मानव समाज के मौलिक तत्व से है. व्यावहारिक जीवन के हर एक को क्या करना चाहिए, क्या नहीं करना चाहिए, कैसा आचरण करना चाहिए, गीता में सन्निहित है, जिससे वैज्ञानिक भी परे नहीं है. मौके पर महाविद्यालय के सचिव कपलेश्वर यादव, प्रो सुरेंद्र प्रसाद यादव, प्रो अरुण कुमार, प्रो महेश सर्राफ, प्रो कमलाकांत यादव, डॉ अरविंद कुमार, प्रो सुरेंद्र कुमार, प्रो विद्यानंद यादव, प्रो शंभू यादव, प्रो राकेश कुमार, किशोर कुमार, सोनू स्नेहिल, मृत्युंजय कुमार, विजेंद्र यादव, सुरेंद्र कुमार, भूषण कुमार, गगन कुमार, दिग्दर्शन उर्फ राजू, प्रभात कुमार, रंजन कुमार, मनोज कुमार, रंजीत सिंह, रिया भारद्वाज, मनीषा कुमारी, कोमल सोनी, चरनप्रीत कौर, अनुराधा पांडे, खुशबू कुमारी, लवली, प्रियंका कुमारी, आंचल कुमारी, काजल कुमारी, सविता कुमारी, प्रिंसी कुमारी, रिया कुमारी, मनीषा कुमारी, काजल कुमारी, सोनी कुमारी, स्नेहा कुमारी, तनुजा कुमारी, शानू शर्मा, रंजीत, तनुजा, सैनिक गुप्ता, पायल कुमारी, बबीता कुमारी, पूनम कुमारी, राधा कुमारी, नीतू कुमारी, नीलू कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे.

Anoop Lal Yadav Mahavidyalaya Principal Triveniganj, Supaul (Bihar)

Full signature of IQAC Coordinator

Important:

This report should also be accompanied with the following documents:

1. Circular / Email Notification of the Event
2. Brochure of the Event/Programme
3. Original Attendance Record
4. 2-Geo-tagged and 2-Non Geo-tagged Photographs of the Events
5. Copy of Newspaper Release (if Any)